SECOND TERMINAL EXAMINATION -2018-19

STD.X HINDI SCORE 40

---

1. (क) पानी शुद्ध हो जाता है ।

2. गंगी जानती थी कि खराब पानी पीने से बीमारी बढ़ जाएगी इसलिए ।

3. (शाम का समय,बीमार जोखू का घर,वह प्यास से परेशान है,
पास में पत्नी गंगी खड़ी है।)

जोखू – कैसा पानी पीने दिया है तू ने ? मारे बदबू के पिया नहीं जाता।

गंगी – बदबू...? दिखाओ ,कल तक तो ऐसा कुछ न था।
(नाक से लगाकर) ठीक ही..,लगता है कुएं में कुछ गिर मरा है।

जोखू – मारे प्यास के मैं रहा नहीं जाता। दे थोड़ा, मैं नाक बंद करके पीलूँ ।

गंगी – नहीं। यह पानी कैसे पिओगे? क्या पता कौन जानवर मरा है? कुए से दूसरा पानी लाए देती हूँ।

जोखू – (आश्चर्य से..)पानी कहाँ से लाएगी?

गंगी – ठाकूर और साहू के दो कुए तो हैं, क्या एक लोटा पानी न भरने देंगे?

जोखू – हाथ पाँव तुड़वा आएगी । बैठ चुपके से..

गंगी –(थोड़ी गंभीरता से..) मैं पानी लाऊँगी ।

अथवा

साहसी गंगी

प्रेमचंद की कहानी 'ठाकूर का कुआँ' की नायिका,सशक़्त नारी पात्र गंगी अपने पती से बहुत प्यार करती है। अनपढ़ गंगी पती को खराब पानी पीने न देती है। सामाजिक मज़बूरियाँ मानने को वह तैयार नहीं थी। सामाजिक असमताओं का वह घोर विरोध करती थी। उसका क्रॉतिकारी मन जाति प्रथा को कभी भी मानने को

तैयार नहीं था। ठाकूर के कुएं से पानी लेने जाती गंगी में हम एक साहसी,आत्मविश्वास रखनेवाली नारी को ज़रूर देख सकते हैं। गंगी, प्रेमचंद की सशक़्त नारी पात्रों में एक है।

4. (ग) दर्शकों के अभद्र शोर से गायिका को स्टेज छोड़ना पड़ा।

5. लोग चिल्लाने लगे । तब माँ **रोने लगी** ।

6.

दिसंबर

21

शुक्रवार

आज मुझे क्या हुआ पता नहीं...!

उफ़,मेरी आवाज़... ! लोगों की चिल्लाहट कानों से हटती नहीं.. ।

उनके सामने, आगे कैसे गाऊँ..? नहीं ,मैं नहीं गा सकती।

चार्ली को स्टेज भेजना, बापरे ! सोच भी नहीं सकती थी,पर ...

उसके कारण ही मैं बच गयी। चार्ली ने कमाल कर दिया,उसका गाना,

नृत्य, गायकों की नकल क्या बताऊँ..? मेरी भी.. ।
पल भर में दर्शकों को उसने अपनी ओर खींच लिया।

दर्शकों ने जब उसकी तारीफ़ की, मेरी खुशी की सीमा न थी।

दुख तो था, पर अब मैं बहूत खुश हूँ।

वह बिलकुल एक बड़ा कलाकार बनेगा, ज़रूर... ।

7. (ख) अकाल का।

8. घर में दाने न होने के कारण चूल्हा और चक्की बेकाम पड़े हैं, बेकार रहने से वे दुखी हैं।

9. हिंदी के प्रगतिशील कवि श्री नागार्जुन की छोटी सी कविता है 'अकाल और उसके बाद'। कविता में अकाल और उसके बाद की हालत का मार्मिक चित्रण है।

कविता की पहली चार पंक्तियों में अकाल का भीषण चित्रण है। अकाल में मानव ही नहीं सारी जीव अजीव चीज़ें भी परेशान रहती हैं। अकाल में बेकार रहने से चूल्हा और चक्की दुखी हैं। कानी कुत्तिया,छिपकलियाँ भूख के मारे दिनों से परेशान हैँ। चूहों की हालत भी अलग नहीं कि दाने की तलाश में वे कभी के हार गये हैं। यहाँ से मानव के हाल कहे बिना हम समझ सकते हैं।

10. (ख) सोनार केल्ला।

11. (घ) वह।

12. जोधपूर और जैसलमेर के बीच में।

13. <u>सत्यजीत राय और रेलवे अधिकारी के बीच की बातचीत</u> –

सत्यजीत राय	–	नमस्कार ,मैं सत्यजीत राय।
रेलवे अधिकारी	–	नमस्कार राय साब, आप इधर...?
सत्यजीत राय	–	यहाँ हमारी शूटिंग चल रही है ।
रेलवे अधिकारी	–	यहाँ ...? अच्छी बात ।
सत्यजीत राय	–	हमें आपकी मदद चाहिए ।
रेलवे अधिकारी	–	मदद ...? बताइए क्या चाहिए।
सत्यजीत राय	–	शूटिंग केलिए हमें रेलगाडी की ज़रूरत है। उसका प्रबंध कर सकें तो, अच्छी बात होगी।

रेलवे अधिकारी – राय जी, कोयले का दाम बढ़ जाने से दिन में जानेवाली गाड़ी रद्द कर दी है।

सत्यजीत राय – यह जानकर ही आया, सर।

रेलवे अधिकारी – कोयले का खर्च आप लोग ले सकते तो छह डिब्बों वाली पूरी रेलगाड़ी देने का प्रबंध कर सकता हूँ।

सत्यजीत राय – ज़रूर जी,जितनी भी जल्दी हो बड़ी मदद होगी।

रेलवे अधिकारी – ज़रूर करें।

सत्यजीत राय – बहुत शुक्रिया।

14. **बच्चियाँ** सारे काम **करती हैं**

15

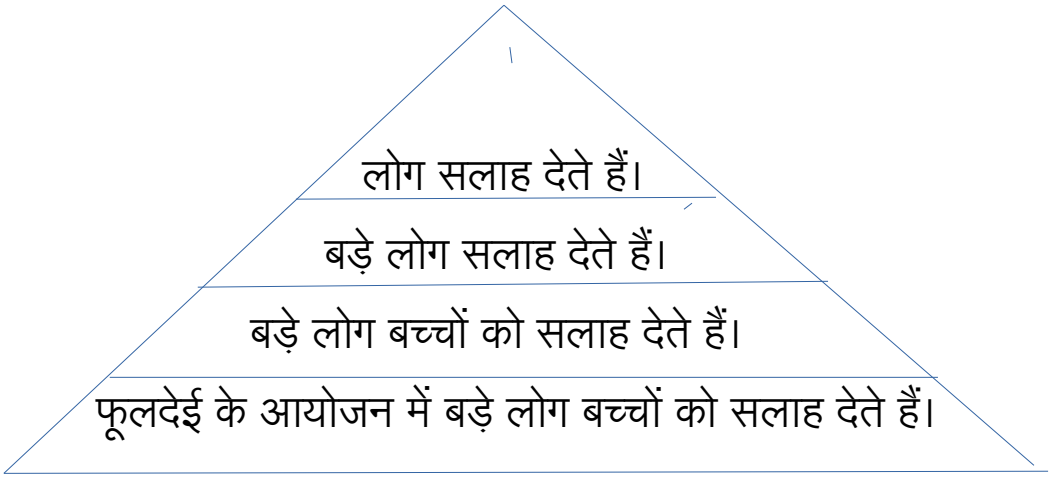

16.

बच्चों का बड़ा त्योहार धूमधाम से मनाया गया।

दहरादून :उत्तराखंड के बच्चों का बड़ा त्योहार फूलदेई ,दहरादून में उत्तराखंड कला समिति के नेतृत्व में धूमधाम से मनाया गया। फूलों की प्रदर्शनी, कला–कार्यक्रम और लोकगीत से त्योहार संपन्न था। बच्चों से बनाया गया सामूहिक भोज त्योहार का मुख्य आकर्षक था। बच्चे इतने खुश शायद किसी दूसरे त्योहार में नहीं देख सकते।

उत्तराखंड कला समिति

के नेतृत्व में

फूलदेई त्योहार

मार्च 22

(चैत्र ४)

दहरादून गाँव में

सुबह 8 से

रात 12 तक

फूलों की प्रदर्शनी

कला–कार्यक्रम

लोकगीत

सामूहिक भोज

सबका स्वागत

RAJESH KUMAR .NP. GVHSS MAKKARAPARAMBA

17. ऐसा क्यों...?

18. बारिश के पानी में।

19.

बारिश में बच्चा	मोर की तरह नाचना चाहता है।
बच्चे की माँ अपने बेटे को	पानी में कुछ भी करने नहीं देती।
असहाय होकर बच्चा पूछता है	कि मैं क्या करूँ ?
कीचड़ में उछलना कूदना	बच्चे को अच्छा लगता है।